हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 | अंक : 334 : | जौनपुर, मंगलवार 05 सितम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य : 2 रूपया

महिलाओं का विश्वास जीतने में सफल रही सरकार : योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में पिछले 6 सालों के दौरान कानून व्यवस्था की स्थिति में उत्तरोत्तर सुधार का दावा करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज महिलाएं प्रदेश में कहीं भी बिना भय के अकेले यात्रा कर सकती हैं। हमारी सरकार आधी आबादी के विश्वास को जीतने में सफल रही। मुख्यमंत्री योगी ने सोमवार को एक कार्यक्रम में कहा कि प्रदेश में सुरक्षा का माहौल बेहतर हुआ है। एनसीआरबी के आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि प्रदेश में हर प्रकृति के अपराध में कमी आई है। 2022 में हम कानून व्यवस्था को आधार बनाकर चुनाव के मैदान के गए थे और यह बहुत बड़ी बात है कि कानून व्यवस्था के मामले पर कोई सरकार 2 तिहाई बहुमत के साथ रिपीट हो जाए।

इसमें बड़ी भूमिका आधी आबादी ने निभाई, जिन्हें सुरक्षा का बेहतर वातावरण मिला। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश को लेकर लोगों का परसेप्शन था कि यूपी का कुछ नहीं हो सकता, यूपी नहीं सुधर सकता, यूपी एक बीमारू राज्य है जो देश को बीमार कर रहा है। पिछले साढ़े 6 वर्षों में हमारी सरकार ने देश और दुनिया में उत्तर प्रदेश के प्रति व्याप्त इस धारणा को बदलने में सफल रही। आज उत्तर प्रदेश को लेकर लोगों में नकारात्मक सोच नहीं है। आज उत्तर प्रदेश सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रहा है और यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की वजह से संभव हो पाया, जिन्होंने एक प्रकाश पुंज के रूप में उत्तर प्रदेश को नई दृष्टि दी। योगी ने कहा कि 2014 के पहले भारत के बारे में दुनिया की धारणा बहुत नकारात्मक थी। दुनिया का कोई भी देश भारत को गंभीरता से नहीं लेता था। देश की बागडोर प्रधानमंत्री मोदी के हाथों में आने के बाद भारत के प्रति दुनिया की धारणा बदली है। अब दुनिया भारत को सकारात्मक दृष्टि से देखती है और गंभीरता से लेती है। आज दुनिया में जब कोई संकट आता है तो भारत और प्रधानमंत्री मोदी संकट मोचक के रूप में दुनिया को संकट से निकालने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा कि आज उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक देश के अंदर एक विश्वास का माहौल उत्पन्न हुआ है कि देश का राजनीतिक नेतृत्व जो फैसला लेगा वो जनता और देश के हित में होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज देश के लोगों में बाह्य, आंतरिक और आर्थिक सुरक्षा के मामले में एक विश्वास पैदा हुआ है। उन्होंने कहा कि आज कोई भी दुश्मन भारत की तरफ आज टेढ़ी नजरों से नहीं देख सकता है, क्योंकि उसको मालूम है कि अगर हम घुसपैठ करेंगे तो भारत के बहादुर जवान पूरी मुस्तैदी के साथ उसका जवाब देंगे। आज भारत के दुश्मनों को पता है कि भारत की सीमा में अतिक्रमण करने के क्या दुष्परिणाम हो सकते हैं।

उदयनिधि के बयान पर भड़के राजनाथ बोले- गठबंधन को मांगनी चाहिए माफी

नई दिल्ली । तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन की सनातन धर्म को लेकर की गई विवादित टिप्पणी पर सियासत गर्म है। इसी कड़ी में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी उदयनिधि के इस बायन को लेकर कांग्रेस सहित विपक्षी इंडिया गठबंधन के नेताओं पर निशाना साधा है और उनसे माफी की मांग की है। अपने बयान में विपक्ष पर वार करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि इन्हीं के गठबंधन DMK ने सनातन धर्म पर चोट पहुंचाई और कांग्रेस के लोगों ने चुप्पी साध रखी है। उन्होंने कहा कि मैं अशोक गहलोत से पूछता हूं कि आप क्यों नहीं बोलते? सोनिया गांधी, राहुल गांधी, मल्लिकार्जून खरगे क्यों नहीं बोलते कि सनातन धर्म के बारे में उनकी सोच क्या है? भाजपा नेता ने साफ तौर पर कहा कि इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों ने इस पर चुप्पी साध रखी है। कांग्रेस और I-N-D-I-A- गठबंधन को माफी माँगनी चाहिए। राजस्थान के जैसलमेर से निकली 'परिवर्तन संकल्प यात्रा' को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जिस देश में मंगलयान और चंद्रयान की सफल लॉचिंग और लैंडिंग हो रही है, वहां कांग्रेस का 'राहुल यान' पिछले बीस साल से लांच हो नही पा रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया हैरान है कि हालीवुड की बड़ी–बड़ी फिल्मों से भी कम बजट में भारत ने मंगलयान और चंद्रयान मिशन पूरे कर लिए है। यह नए भारत की ताकत है, उसकी आवाज है, जो कहती है, जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान और जय अनुसंधान। रक्षा मंत्री ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने जो काम किया है, जहां भारतवासी ही नहीं बल्कि दुनिया के बड़े–बड़े देश भी भारत को आशा, उम्मीद और हसरत भरी निगाहों से देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया की बड़ी इन्वेस्टमेंट फर्में, सर्वे ज लगातार ऐसी रिपोर्ट प्रकाशित कर रही है जिनमें भारत को बड़ी सकारात्मक नजरिए से देख रहे है।अभी पिछले दिनों एक सर्वे रिपोर्ट आई है जिसमें 23 देशों के लगभग आधे नागरिकों ने भारत को बहुत उम्मीद भरी निगाह से देखा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि साल 2014 में हजारों की संख्या में ऐसे गांव थे जहां पर पक्की सड़क का अभाव था। आज 2023 में 99 फीसदी गांवों को पक्की सड़क से जोड़ दिया गया है। 2014 के बाद से 3 लाख 60 हजार कि.मी. सड़कें ग्रामीण इलाकों में बनाई गई है। पूर्व भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि गरीब कल्याण को केवल एक नारा नही समझा बल्कि वह हमारा मंत्र है, मिशन है।

जी२० के जुनून में भाजपा ने मणिपुर को भुलाया : कांग्रेस

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि जी20 के जुनून में सरकार ने मणिपुर को भुला दिया है। एक्स पर एक लंबी पोस्ट में, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा प्रधान मंत्री और उनके ढोल बजाने वाले जी20 के प्रति आसक्त हैं, लेकिन 3 मई को जातीय हिंसा भड़कने के चार महीने बाद, मणिपुर को मोदी सरकार द्वारा भुला दिया गया है। मुख्यमंत्री ने यह सुनिश्चित किया है कि मणिपुरी समाज आज पहले से कहीं अधिक विभाजित है। केंद्रीय गृह मंत्री हिंसा को समाप्त करने और हथियारों और गोला–बारूद की बरामदगी सुनिश्चित करने में विफल रहे हैं। इसके बजाय, कई और सशस्त्र समूह संघर्ष में शामिल हो गए हैं। उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री ने मणिपुर का दौरा करने, या सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने, या किसी विश्वसनीय शांति प्रक्रिया शुरू करने से इनकार कर दिया।

मप्र में सूखे के आसार, शिवराज पहुंचे महाकाल

उज्जैन। मध्य प्रदेश में बीते माह अगस्त में बारिश के दौर पर लगे ब्रेक के कारण सूखे के हालात बनने लगे हैं। खेती–किसानी प्रभावित हो रही है तो आने वाले समय के संकट की आहट भी सुनाई देने लगी है। लिहाजा देवताओं को प्रसन्न करने का दौर भी शुरू हो गया है। राज्य में अच्छी बारिश हो, इसके लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान स्वयं उज्जैन में बाबा महाकाल के दरबार पहुंचे और विशेष पूजा अर्चना की। राज्य में हुई बारिश की स्थिति पर नजर दौड़ाई जाए तो एक बात साफ हो जाती है कि अगस्त माह में राज्य में बहुत कम बारिश हुई है। इस अल्प वर्षा के चलते फसलें भी प्रभावित हो रही हैं और खरीफ की फसलों पर संकट गहराने लगा है। मुख्यमंत्री चौहान ने रविवार की रात को तमाम अधिकारियों के साथ बैठक की और वर्तमान हालात की समीक्षा की और निर्देश दिए कि किसानों की जरूरत को ध्यान में रखकर आवश्यक कदम उठाए जाएं। इसी क्रम में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान सोमवार को उज्जैन पहुंचे और उन्होंने यहां उत्तम जलवृष्टि की कामना के लिए महारुद्र अनुष्ठान किया। चौहान ने यहां भगवान महाकालेश्वर का पंचामृत पूजन किया और यहां 66 ब्राह्मण के माध्यम से महारुद्र अनुष्ठान के 1331 रूद्र पाठ किए जा रहे हैं। वर्तमान में भादो मास चल रहा है। श्रावण–भादो मास में महारुद्र पाठ का अधिक महत्व है। इसी के तहत शिवराज सिंह चौहान ने यह विशेष अनुष्ठान किया है। मुख्यमंत्री चौहान ने महाकाल बाबा के दरबार में पूजन करने के बाद संवाददाताओं से चर्चा करते हुए कहा, ष्उन्होंने बाबा महाकाल के दरबार में विशेष पूजा अर्चना कर प्रार्थना की है कि अल्प वर्षा के कारण लगभग पूरा सूखा हो गया है और इसलिए सुखे की स्थिति मध्य प्रदेश में पैदा हो रही है और फसलों पर संकट छाया है, बाबा कृपा की वर्षा करें, अच्छी वर्षा हो जाए, फसलें बच जाए और किसानों का भी कल्याण हो। मुख्यमंत्री चौहान ने प्रदेशवासियों से भी अपील की है कि वह जिस गांव में और शहर में हैं और वहां की जो परंपराएं हैं वहां भी अपनी परंपराओं का निर्वहन करें, सभी अच्छी वर्षा के लिए प्रार्थना करें, प्रार्थना सुनी जाती है, प्रार्थना में असर होता है। सच्चे दिल से प्रार्थना की जाय तो भगवान कृपा की वर्षा करते हैं। सरकार की ओर से किए जा रहे प्रयासों का जिक्र करते हुए चौहान ने कहा, आमजन और किसानों की सेवा करने में किसी तरह की कसर नहीं छोडी जाएगी, वर्तमान में जो स्थितियां हैं, उसकी समीक्षा के लिए बीते रोज अधिकारियों के साथ बैठक की है और यह भी निर्देश दिए हैं कि बांधों से पानी छोड़कर जो फसलें बचाई जा सकती हैं, उन बांधों से पानी छोड़ा जाए। वहीं वर्षा नहीं होने के कारण बिजली का संकट भी पैदा हो गया है। सावन भादौ में इतनी बिजली की जरूरत नहीं पड़ती थी क्योंकि ट्यूबवेल नहीं चलते थे, मोटर नहीं चलता था, किसानों को पानी आसानी से मिलता रहता था। पानी की बिजली भी प्रचुर मात्रा में बनती थी। इस समय आठ हजार मेगावाट की जरूरत पड़ती थी लेकिन इस बार 15 हजार मेगावाट बिजली की मांग है, इसलिए मांग और आपूर्ति में अंतर पैदा हो गया।

सपा नेता शिवपाल यादव पुलिस महानिरीक्षक से मिले, बीजेपी पर चुनावों को प्रभावित करने का आरोप लगाया

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के मऊ जिले की घोसी विधानसभा सीट पर मंगलवार को होने वाले उपचुनाव से पहले समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव ने सोमवार को पुलिस महानिरीक्षक को पत्र सौंपकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं पर चुनावों को प्रभावित करने का आरोप लगाया और मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की। शिवपाल ने अपनी पार्टी के 10 विधायकों के साथ पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) कार्यालय पहुंचकर आईजी परिक्षेत्र अखिलेश कुमार को पत्र सौंपा और आरोप लगाया कि भाजपा के 40 मंत्रियों का जत्था चुनाव को प्रभावित कर रहा है। उन्होंने इस मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की।कोटवा स्थित आईजी कार्यालय में शिवपाल ने पूर्व मंत्री दुर्गा प्रसाद यादव, विधायक नफीस अहमद, अखिलेश यादव, बेचई सरोज आदि नेताओं के साथ आईजी अखिलेश कुमार से मुलाकात की और पत्र सौंपा। इस दौरान शिवपाल ने पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि मऊ के घोसी और कोपागंज थाने में थाना प्रभारी से लेकर पुलिस क्षेत्राधिकारी तक लोगों का उत्पीड़न कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाताओं को धमकाया जा रहा है और भाजपा के 40 मंत्रियों का जत्था चुनावों को प्रभावित कर रहा है। सपा नेता ने दावा किया, आजमगढ़ से लेकर मऊ तक होटलों में मंत्री से लेकर उपमुख्यमंत्री डटे हुए हैं। लोगों को बुलाकर पैसा दिया जा रहा है। इसके अलावा, धमकी भी दी जा रही है।उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यकर्ता मुसलमानों को वोट नहीं डालने के लिए डरा–धमका रहे हैं, लेकिन समाजवादी पार्टी ऐसा नहीं होने देगी। सपा विधायक और अन्य पिछड़ा वर्ग के नेता दारा सिंह चौहान के इस्तीफा देने और भाजपा में शामिल होने के बाद घोसी विधानसभा सीट पर उपचुनाव हो रहा है। एक अधिकारी ने बताया कि उपचुनाव के लिए मतदान पांच सितंबर को सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक होगा और वोटों की गिनती आठ सितंबर को की जाएगी। इस उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार दारा सिंह चौहान और सपा प्रत्याशी सुधाकर सिंह के बीच सीधा मुकाबला है।चौहान राज्य की पिछली भाजपा सरकार में पर्यावरण एवं वन मंत्री थे, लेकिन बीते वर्ष हुए विधानसभा चुनाव से पहले 12 जनवरी 2022 को उन्होंने मंत्री परिषद से इस्तीफा देकर सपा का दामन थाम लिया था। इसके बाद हुए चुनाव में उन्होंने सपा के टिकट पर घोसी सीट से जीत हासिल की थी। चौहान इसी साल जुलाई में सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे और उन्होंने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। भाजपा ने अब इस सीट पर हो रहे उपचुनाव के लिए चौहान को अपना उम्मीदवार बनाया है।

पांच साल में एक बार हुए चुनाव तो गैस सिलेंडर 5000 में मिलेगा, वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर केजरीवाल ने साधा मोदी पर निशाना

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने सोमवार को बड़ा बयान दिया है। जयपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केजरीवाल ने कहा कि पांच साल में एक बार चुनाव हुआ तो गैस सिलेंडर पांच हजार रुपये का हो जाएगा। टमाटर 1500 रुपये किलो हो जाएगा। वह यहीं नहीं रुके। उन्होंने आगे कहा कि हमारा नारा है, "वन नेशन 20 इलेक्शन।"देश में हर तीसरे महीने चुनाव होने चाहिए। केजरीवाल ने कहा, मुझे दुःख होता है कि नौ साल प्रधानमंत्री रहने के बाद भी मोदी जी वन नेशन वन इलेक्शन पर वोट मांग रहे हैं। वन नेशन 100 इलेक्शन हो जाए, हमें उससे क्या करना है, आपको उससे क्या मिलेगा भाई साहब। नौ साल प्रधानमंत्री रहने के बाद भी अगर कोई वन नेशन वन इलेक्शन पर वोट मांगे तो इसका मतलब कोई काम नहीं किया।

वन नेशन वन एजुकेशन, वन नेशन वन इलाज होना चाहिए। दिल्ली के सीएम ने पीएम मोदी पर अपना हमला जारी रखा और आगे कहा, मैंने बहुत सोचा कि मोदी जी ऐसा क्यों कह रहे हैं। पांच साल में नेता तभी आपके पास आता है, जब चुनाव होता है। हमारे देश में हर छह महीने में चुनाव होते हैं, मोदी जी को इससे तकलीफ है कि हर छह महीने में जनता के बीच जाना पड़ रहा है।

अगर पांच साल में एक बार चुनाव कर दिया तो सिलेंडर पांच हजार का मिलेगा और पांच साल बाद मोदी बोलेंगे कि 200 कम कर दिया। मेरी तो मांग है, मेरा नारा है कि वन नेशन 20 इलेक्शन हो, हर तीसरे महीने चुनाव हो, ये शक्ल दिखाने तो आएंगे, ये कुछ तो देकर जाएंगे। वहीं, अपनी पार्टी को देशभक्त पार्टी करार देते हुए सीएम केजरीवाल ने कहा, श्श्आम आदमी पार्टी ईमानदार पार्टी है, राष्ट्रवादी पार्टी है, देशभक्त पार्टी है।

मंत्रियों ने शिक्षक दिवस पर प्रदेशवासियों व शिक्षको को दी शुभकामनाएं

लखनऊ। प्रदेश के प्राविधिक शिक्षा मंत्री एवं उपभोक्ता मामले आशीष पटेल, माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार गुलाब देवी, व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार कपिल देव अग्रवाल, दिव्यांगजन सशक्तिकरण एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप तथा उद्यान, कृषि–विपणन, कृषि–विदेश व्यापार, कृषि निर्यात राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह ने शिक्षक दिवस पर प्रदेशवासियों तथा मुख्य रूप से शिक्षको को शुभकामनाएं दी है। मंत्रियों ने अपने शुभकामना संदेश में कहा कि शिक्षक दिवस प्रत्येक वर्ष 5 सितंबर को मनाया जाता है और यह एक खास मौका है जब हम अपने उन गुरुओं को प्रणाम करते हैं जो हमारे जीवन को ज्ञान की राह में मार्गदर्शन करते हैं। यह दिन शिक्षा के महत्व को मनाने का भी एक मौका है और हमारे शिक्षकों के संघर्षों और योगदान को सराहना करने का अवसर होता है। उन्होंने कहा कि हमारे शिक्षक हमारे जीवन के महत्वपूर्ण हिस्से होते हैं। वे हमें न केवल पढ़ाते हैं, बल्कि हमारे चरित्र को भी निर्माण करते हैं। शिक्षक दिवस पर हमें यह याद दिलाने का अवसर मिलता है कि शिक्षक वे मार्गदर्शक होते हैं जो हमें अच्छे नागरिक बनने की दिशा में मदद करते हैं।

फ्लैट में 24 साल की फ्लाइट अटेंडेंट की हत्या

मुंबई। मुंबई के एक अपार्टमेंट में 24 वर्षीय महिला फ्लाइट अटेंडेंट मृत पाई गई, जिसके बाद पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मृतका की पहचान छत्तीसगढ़ की रहने वाली रूपल ओगरे के रूप में हुई है, जो एयर इंडिया के ज्यंपद. पदह के लिए अप्रैल में मुंबई आई थी।

उन्होंने बताया कि रूपल अंधेरी के मरोल इलाके में कृष्णलाल मारवाह मार्ग पर एनजी कॉम्पलेक्स के एक फ्लैट में रविवार देर रात मृत पाई गई। अधिकारी ने बताया कि पोवाई पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का एक मामला दर्ज कर लिया है और अपराधियों की धरपकड़ के लिए कई टीमें बनाई हैं। पुलिस के मुताबिक, जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि महिला अपनी बहन और उसके ब्वॉयफ्रेंड के साथ फ्लैट में रहती थी लेकिन 8 पहले दोनों ही अपने–अपने घर चले गए थे। पुलिस ने उन्हें घटना की सूचना दे दी है। पुलिस ने बताया कि जब महिला ने अपने परिवार के सदस्यों के फोन कॉल का जवाब नहीं दिया तो उन्होंने मुंबई में उसके स्थानीय दोस्तों से संपर्क किया और उन्हें महिला के फ्लैट पर जाने को कहा। पुलिस के मुताबिक, जब परिवार के स्थानीय दोस्त वहां पहुंचे तो उन्होंने फ्लैट अंदर से बंद पाया और घंटी का जवाब भी किसी ने नहीं दिया। अधिकारी ने बताया कि बाद में उन्होंने पोवाई पुलिस से संपर्क किया, जिनकी मदद से दूसरी चाबी का प्रयोग कर फ्लैट खोला गया।

उन्होंने बताया कि महिला का गला रेता हुआ था और वह जमीन पर पड़ी थी। उसे आनन–फानन में राजावाडी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां उसे भर्ती करने से पहले ही मृत घोषित कर दिया गया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर महापौर ने गुरु महाराज के चरणों में माथा टेका

लखनऊ। शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर महापौर ने गुरु महाराज के चरणों में माथा टेक कर लिया आशीर्वाद। आज लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने गुरुद्वारा नाका हिंडोला पहुंचकर गुरु महाराज के चरणों में माथा टेक कर आशीर्वाद प्राप्त किया लखनऊ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष सरदार राजेंद्र सिंह बग्गा जी ने उन्हें गुरु घर का सम्मान सिरोपा भेंट कर सम्मानित किया।उसके उपरान्त महापौर महोदया जी का खालसा इंटर कालेज के प्रधानाचार्य सरदार वीरेंद्र सिंह ने उन्हें पुष्प भेंट कर सम्मानित किया इस अवसर पर बोलते हुए महापौर ने शिक्षकों एवं शिक्षिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आपके द्वारा ही एक सुंदर और अच्छे नागरिक का कर्तव्य निभाते हुए।

बस्ती में कुलाबों हेतु 60 लाख रूपये स्वीकृत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सरयू नहर परियोजना के अन्तर्गत बस्ती में स्थित नगर राजवहा प्रणाली पर अवशेष कुलाबों के निर्माण हेतु 60 लाख रुपए धनराशि की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

योजनाओं का लाभ अंतिम पात्र पिछड़े एवं दिव्यांग तक अवश्य पहुंचे : कश्यप

लखनऊ। अधिक से अधिक पिछड़े और दिव्यांगजनो को प्रदेश सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ दिलाया जाय। पिछड़ेवर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति समय से दिलाने के प्रयास किये जायें। ओ लेवल का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्रों की सुख सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाय। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेन्द्र कश्यप ने सोमवार को विधानसभा के अपने कक्ष मे विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों से कहा कि योगी सरकार पिछड़े और दिव्यांगजनो के हितों के लिये निरंतर कार्य कर रही है, जिसका लाभ अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुँचाने का कार्य किया जाय। मंत्री ने निर्देश दिया कि ओ लेवल का प्रशिक्षण करा रहे सेंटरो का जनपदीय अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया जाय। निरीक्षण के दौरान छात्रों से प्रशिक्षण का फीडबैक लिया जाय। उन्होंने निर्देश दिया कि छात्रावास के मेंटेनेंस के लिए आवंटित धनराशि का सही ढंग से इस्तेमाल किया जाय। निर्माण कार्य मे कही हीलाहवाली या शिथिलता दिखे तो कार्यवाही करे। उन्होंने कहा कि कार्यदायी संस्थाओं के माध्यम से कार्य सही हो रहा कि नहीं इसकी नियमित मॉनिटरिंग की जाय। उन्होंने निर्देश दिए कि शादी अनुदान योजना का लाभ लेने हेतु शादी के तीन महीने पूर्व ही आवेदन कर सकते है, इसकी जानकारी विभिन्न माध्यमों से पिछड़े वर्ग के लोगो तक पहुँचाई जाय। शादी अनुदान के तहत आने वाले आवेदनों को ससमय निस्तारित कर पात्र दंपति को लाभ दिलाया जाय।दिव्यागंजन सशक्तीकरण मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दिव्यांगजनों को कैसे और लाभ मिले, इस पर कार्य किया जाय। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रदेश में समेकित विद्यालय खोले जाय, जिससे दिव्यांगजन छात्रों की शिक्षा और समग्र विकास का ध्यान रखा जा सके। इसके अलावा दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए उन्हें कौशल प्रशिक्षण भी दिलाया जाय।

सम्पादकीय

अद्वितीय आदित्य मिशन

चंद्रयान मिशन की कामयाबी के कुछ ही दिनों बाद भारत के सूर्य मिशन की कामयाबी ने पूरी दुनिया को चौंकाया है। सूर्य के अध्ययन के लिये भेजे गये आदित्य एल–1 मिशन के अंतर्गत अंतरिक्ष में एक ऑब्जर्वेटरी स्थापित की जाएगी, जिसके जरिये धरती के नजदीकी ग्रह सूर्य के कई रहस्यों से पर्दा उठाने की कोशिश की जाएगी। साथ ही अंतरिक्ष की कई हलचलों, मसलन सोलर विंड आदि का भी अध्ययन किया जायेगा। हालांकि यूरोपियन एजेंसी समेत कई देशों ने इस तरह के मिशन भेजे हैं, लेकिन भारत जैसे विकासशील देश द्वारा सीमित संसाधनों के साथ ये लक्ष्य हासिल करना बड़ी उपलब्धि है। पीएसएलवी–सी 57 के जरिये अंतरिक्ष में भेजे गये आदित्य मिशन का बिलकुल सूर्य के पास जाना संभव नहीं है, लेकिन वह एक निर्धारित स्थान लैंगरेंज प्वाइंट से सूर्य की क्रियाओं का अध्ययन करेगा। दरअसल, लैंगरेंज प्वाइंट अंतरिक्ष में एक ऐसा स्थान है जहां सूर्य और पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल संतुलित होता है। इस स्थान पर अंतरिक्ष यान में ईंधन की सबसे कम खपत होती है और वह अधिक समय तक काम कर सकता है। सात पेलोड्स लेकर गया यह यान सूर्य की सतह पर ऊर्जा व अंतरिक्ष की अन्य हलचलों का अध्ययन करेगा। इसके अलावा अंतरिक्ष के मौसम पर भी इसकी नजर रहेगी। निश्चित रूप से सौर हलचलों के अंतरिक्ष के मौसम पर पड़ने वाले प्रभावों के बारे में नई जानकारी मिल सकेगी। निस्संदेह, ये नई जानकारियां मानवता के कल्याण में मददगार बनेंगी।बहरहाल, इस कामयाबी से उत्साहित इसरो को आशा है इस मिशन के जरिये हम सूर्य के बारे में नई जानकारी जुटाने में कामयाब हो सकेंगे। ये तथ्य हमारी वैज्ञानिक उन्नति में भी सहायक बनेंगे। यह महत्वपूर्ण है कि महज चार साल में बेहद कम लागत में इसरो अपने इस महत्वाकांक्षी मिशन को मूर्त रूप दे पाया है। बेहद कम बजट में बड़े मिशनों को अंजाम देने की इसरो की विशेषता का पूरी दुनिया ने लोहा माना है। पिछले दिनों दुनिया की महाशक्ति रूस व अन्य बड़े देशों के मिशनों की विफलता से इतर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान का सफल मिशन भारतीय वैज्ञानिकों की मेधा की कहानी कह रहा है। भारत की कामयाबी का एक अध्याय मंगल मिशन भी था। ऐसा करने वाला भारत एशिया का पहला देश था। इसी कड़ी में इसरो अपने महत्वाकांक्षी मानवयुक्त मिशन को अंतिम रूप देने में जुटा है। बहरहाल, रविवार को आदित्य एल–1 यान को दूसरी कक्षा में भेजकर इसरो ने बता दिया है कि मिशन सफलतापूर्वक अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। वैसे तो लैंगरेंज पॉइंट तक पहुंचने में आदित्य एल–1 को करीब चार माह का समय लगेगा। सर्वविदित है कि हमारे सोलर सिस्टम के केंद्र में स्थित सूर्य की अक्षय ऊर्जा से ही पृथ्वी पर जीवन संभव हो पाता है। अब इस मिशन से होने वाले अध्ययन से पता चल सकेगा कि सूर्य में होने वाले रासायनिक बदलाव हमारी धरती के जीवन व अंतरिक्ष को किस तरह प्रभावित करते हैं। धरती पर जीवन ऊर्जा के मुख्य स्रोत सूर्य के बारे में इस मिशन के जरिये मिलने वाली जानकारी निस्संदेह, मानवता के कल्याण में सहायक होगी।

सिंगापुर के नए राष्ट्रपति

सिंगापुर के लोगों ने भारतीय मूल के थर्मन शनमुगरत्नम को अपना नया राष्ट्रपति चुन लिया है। थर्मन को रिकार्डतोड़घ70.4 फीसदी वोट हासिल हुए। उन्होंने वर्ष 2011 के बाद पहली बार हुए राष्ट्रपति चुनाव में चीनी मूल के दो प्रतिद्वंद्वियों को पराजित किया। अर्थशास्त्री थर्मन 2011 से 2019 तक सिंगापुर के उपप्रधानमंत्री रहे हैं। उन्होंने वित्तमंत्री के रूप में भी काम किया है। वे एक अच्छे वक्ता और सिंगापुर के सबसे जाने–माने राजनेताओं में से एक हैं। वे पिछले 20 सालों से अधिक समय तक पीपल्स एक्शन पार्टी से जुड़े रहे हैं। यद्यपि नस्लीय राजनीति केघ लिए जानी जाने वाली घ्सिंगापुर की पीपल्स एक्शन पार्टी के नेता यह कहते रहे हैं कि सिंगापुर चीनी बहुसंख्यक देश है, जहां के लोग अल्पसंख्यक समुदाय के किसी व्यक्ति को नेतृत्व नहीं करने देंगे। लेकिन थर्मन शनमुगरत्नम ने राष्ट्रपति पद का चुनाव लड़ा और देश की जनता ने उन्हें सर्वोच्च पद पर आसीन करघ दिया। सिंगापुर में भारतीय मूल के थर्मन का राष्ट्रपति पद पर आसीन होना भारत के लिए गौरव का घ्विषय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें बधाई देते हुए कहा है कि भारत और सिंगापुर के द्विपक्षीय रिश्तों को और मजबूत करने की दिशा में उनके साथ काम करने में उन्हें खुशी होगी। थर्मन शनमुगरत्नम की पर्सनल लाइफ देखें तो इनके परिवार के कुल 6 सदस्य हैं। उनकी पत्नी युमिको इटोगी ने उनके जीवन और करियर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इनके चार बच्चे हैं जिनका नाम माया, आकाश, कृष्ण और अर्जुन है। थर्मन शनमुगरत्नम के बच्चे अपने माता–पिता के नक्शेकदम पर चले हैं। सबसे बड़ा बच्चा माया एक सामाजिक उद्यमी और वकील है, जबकि दूसरा बच्चा आकाश एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर है। वहीं दो छोटे भाई–बहन कृष्ण और अर्जुन क्रमांक इकोनॉमिक, पॉलिटिक्स और संगीत, आर्ट्स के स्टूडेंट हैं। थर्मन शनमुगरत्नम का पारिवारिक जीवन उनके राजनीतिक करियर की तरह ही गतिशील और प्रेरणादायक है। उनके बच्चों को सार्वजनिक सेवा के लिए अपने माता–पिता का उत्साह विरासत में मिला है। हर एक बच्चे ने अनूठे रास्ते बनाए हैं। थर्मन शनमुगरत्नम ने सिंगापुर के राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। थर्मन शनमुगरत्नम का जन्म 1957 में हुआ था। सिंगापुर में राष्ट्रपति की भूमिका मौटे तौर पर औपचारिक होती है और उन्हें अधिक शक्तियां नहीं दी जातीं। हालांकि सिंगापुर के वित्त भंडार से जुड़ी कुछ ताकत उनके हाथों में जरूर होती है। राष्ट्रपति के पास सरकार और सार्वजनिक मामलों में बोलने की शक्ति बेहद सीमित होती है।

सरकार के पास राष्ट्रपति को पद से हटाने की ताकत होती है। यहां की सरकार पहले ही साफ कर चुकी है कि राष्ट्रपति, पूरी स्वतंत्रता के साथ बात नहीं कर सकते और उनकी भूमिका कुछ वैसी ही रहेगी जैसी ब्रिटेन में महारानी की। माना जाता है कि ये औपचारिक पद उन नेताओं के लिए सही हो सकता है जो शांत स्वभाव वाले हैं और विवादों से दूर रहना पसंद करते हैं, जैसा कि पहले के कई राष्ट्रपति थे। थर्मन का कौशल लाजवाब है। वो संघ्युक्त राष्ट्र और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्राकोष जैसे वैश्विक संगठनों में काम कर चुके हैं। एक समय वह भी था जब यह कहा जा रहा है कि वह मुद्राकोष के प्रमुख बन सकते हैं। गैर चीनी मूल के नेता पहले भी सिंगापुर के राष्ट्रपति रहे हैं लेकिन यह पहला मौका है जब इस पद की दौड़ में मुकाबले के बाद किसी ने जीत हासिल की है। उनकी जीत चीनी नस्लवाद के खिलाफ एक बुलंद आवाज की जीत है। थर्मन की जीत ने यह साबित कर दिया कि वह केवल अल्पसंख्यक समुदाय के नेता नहीं हैं बल्कि पूरे देश के नेता हैं। उनकी जीत भारत के लिए महत्वपूर्ण इसलिए है क्योंकि भारत और सिंगापुर के बीच घनिष्ठ संबंधों का एक इतिहास रहा है।

सिंगापुर के साथ भारत के संबंध चोल वंश के समय से चले आ रहे हैं। 1965 में सिंगापुर की आजादी के बाद दोनों देशों के संबंध लगातार घनिष्ठ होते गए और 1990 के दशक में भारत के आर्थिक सुधारों और भारत की लुक ईस्ट नीति ने संबंधों की नई रूपरेखा सृजन कर डाली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2015 में सिंगापुर यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच सामरिक साझेदारी के संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए। सिंगापुर की 3.9 मिलियन की आबादी में भारतीय लगभग 9.1 प्रतिशत यानि 3.5 लाख हैं। उन्होंने सिंगापुर के आर्थिक विकास, सामाजिक ताने–बाने और सांस्कृतिक विविधता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। सिंगापुर आसियान में भारत के सबसे बड़े व्यापार और निवेश भागीदारों में से एक है। दोनों देशों ने राजनीतिक साझेदारी को काफी विकसित किया है।

देश को संशय में डालती मोदी सरकार

संसदीय परम्पराओं की अवहेलना करने की आदी हो चुकी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की केन्द्र सरकार ने अपनी इसी परम्परा को आगे बढ़ाते हुए देश के इतिहास में पहली बार ट्विट के जरिये संसद का विशेष सत्र बुलाकर साबित कर दिया है कि वह न केवल गैरजिम्मेदार है वरन उसका पारदर्शिता से भी कोई लेना–देना नहीं रह गया है। ऐसे वक्त में जब संयुक्त विपक्ष का गठबन्धन इंडियाश (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूजिव एलाएंस) मुम्बई में 31 अगस्त व 1 सितंम्बर को 2024 के लोकसभा की चुनावी रणनीति में व्यस्त था, केन्द्रीय संसदीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने यह जानकारी दी कि 18 से 22 सितम्बर को विशेष सत्र होगा। भले ही इस सूचना को इंडियाश उपेक्षित कर अपनी कार्यवाही में लगा रहा लेकिन यह एक तरह से देश को अंधेरे में रखने जैसा है क्योंकि यह कार्यप्रणाली किसी लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार की नहीं हो सकती। न ही यह इंडियाश की बढ़ती एकता के जवाब में होनी चाहिये। इसे लेकर कई तरह के कयास हैं। इसमें वर्ष 2024 में होने जा रहे लोकसभा को समय से पहले करा लेने की सम्भावना से लेकर संविधान में संशोधन, चुनाव टाल देने या फिर मोदी को हमेशा के लिये पीएम बनाये जाने जैसी गुंजाइशें टटोली जा रही हैं। चीन

द्वारा नया नक्शा जारी करना (जिसमें अरूणाचल प्रदेश को चीन का हिस्सा बताया गया है), मणिपुर हिंसा, गौतम अदानी को लेकर नये खुलासे, महंगाई आदि अनेक विषय हैं जिनके बारे में अनुमान व्यक्त किये जा रहे हैं कि इन मसलों पर सरकार कोई बात करना चाहती है। सही जानकारी किसी के भी पास नहीं है। फिर, हाल ही में तो संसद का सत्र हो चुका है। क्यों नहीं सरकार ने इन विषयों पर तब चर्चा कर ली? सवाल यह भी है कि क्यों लोगों या सांसदों को विषय को लेकर कयास लगाने के लिये छोड़ा जाये? क्यों नहीं सूचना के साथ ही विषय की जानकारी दे दी गई? संसद पर केवल सत्ता का हक नहीं है, जो अन्य लोगों को इसकी सूचना से वंचित रखा जाये। यह सत्र 5 दिनों का क्यों है, जबकि विशेष सत्र एकाध दिन के ही होते हैं? दुर्भाग्य से तमाशों के आयोजनों में पारंगत मोदी सरकार इसे भी इवेंट बना रही है। आखिरकार विशेष सत्र कोई मजाक नहीं होता और न ही उसे सत्तापक्ष का कोई विशेषाधिकार समझा जाये, बावजूद इसके कि सरकार को ऐसा करने का पूरा हक है। तो भी, इस अधिकार का प्रयोग बहुत गम्भीरता सेय और बेहद खास उद्देश्यों को लेकर होना चाहिये। विशेष सत्र का विषय क्या है, यह किन परिस्थितियों में आयोजित किया जा रहा है और इसे बुलाये जाने का प्रयोजन क्या है– यह सारा कुछ सरकार को बतलाना चाहिये था। यह सूचना प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से तथा बाकायदा एक अधिसूचना जारी कर नागरिकों को देनी थी। संसद पर पहला हक तो नागरिकों का होता है, चाहे वे स्वयं इसके प्रत्यक्ष सदस्य न हों। जो सदस्य दोनों सदनों में बैठते हैं वे अंततरू जनसामान्य की ही नुमाइंदगी करते हैं। सरकार को पहले तो इस पर सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिये थी फिर अपना उद्देश्य बतलाना चाहिये था। मोदी सरकार द्वारा संसदीय गरिमा व परम्पराओं को ध्वस्त करने की पूरी श्रृंखला है, जिसकी एक और कड़ी का सम्बन्ध इसी एपीसोड से है। सरकार ने एक समिति बनाई है जो एक देश एक चुनाव की योजना बनाकर सरकार को सौंपेगी। देश में पहली बार ऐसा हो रहा है कि एक सेवानिवृत्त राष्ट्रपति को किसी समिति का अध्यक्ष बनाकर सरकार के किसी विभाग को रिपोर्ट सौंपने की जिम्मेदारी दी गई है जो कभी सिर्फ उस विभाग का नहीं वरन पूरी सरकार का प्रमुख हुआ करता था। वास्तविकता में चाहे न हो लेकिन संवैधानिक परिभाषा के अनुसार तो वह राष्ट्राध्यक्ष ही है जिसके अधीन पूरा देश होता है। संसदीय प्रक्रिया के अंतर्गत खुद मोदी इन्हीं राष्ट्रपति के अंतर्गत काम कर चुके हैं। न यह कोई पूछने वाला है और न ही कोई बताने वाला कि आखिर एक पूर्व राष्ट्रपति कैसे किसी समिति का प्रमुख बनकर सरकार को कोई रिपोर्ट दे सकता है। कायदे से तो कोई व्यक्ति जिस दिन इस पद पर पहुंचता है, उसी दिन से वह दलगत राजनीति से ऊपर हो जाता हैय पर यह सब तभी सम्भव है जब किसी व्यक्ति या किसी राजनैतिक दल की ही आंखों का नहीं, किसी सरकार की आंखों का भी नहीं, बल्कि पूरे देश की आंखों का पानी मर जाये। अगर एक देश एक चुनाव की बात करें तो यह करा पाना बहुत कठिन है– प्रशासकीय और राजनैतिक दोनों कारणों से अव्यवहारिक। आजादी के बाद हुए पहले चार आम चुनावों के साथ विधानसभाओं के निर्वाचन हुए थे परन्तु तब की परिस्थितियां अलग थीं। आबादी कम थी, चुनावी हिंसा न्यूनतम थी। राजनैतिक दलों के बीच आज के जैसी वैमनस्यता भी नहीं थी। सबसे बड़ी बात कि चुनावों का आकार व स्वरूप विशाल नहीं था। इसके बावजूद अगर सरकार एक साथ चुनाव कराना ही चाहती है तो पहले वह इसके फायदे बतलाये। यह भी बताये कि सामान्य नागरिकों, विशेषकर मतदाताओं को किसी भी प्रकार की परेशानी में डाले बगैर ये कैसे सम्पन्न होंगे। जब मणिपुर जैसे छोटे से राज्य की हिंसा को रोकने में सरकार 5 माह में भी सफल नहीं होती और ज्यादातर राज्यों के चुनाव कई चरणों में कराने पड़ते हैं, तो इतने बड़े देश में एक दिन में कैसे चुनाव हो सकते हैं। यह जानने का हक नागरिकों का हैय और बतलाना सरकार का कर्तव्य।

चुनावों का खर्चा या सस्ते चुनाव

एक देश–एक चुनाव के मुद्दे पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द के नेतृत्व में गठित आठ सदस्यीय समिति में शामिल होने से लोकसभा में कांग्रेस के नेता श्री अधीर रंजन चौधरी ने यह कहते हुए इन्कार कर दिया है कि समिति का सन्दर्भ विषय इस तरह का है कि पहले से ही इसका निष्कर्ष तय हो जाये। श्री चौधरी के कहने का मतलब है यह समिति बनाई ही गई है 'एक देश–एक चुनाव' की सिफारिश करने के लिए। बेशक श्री चौधरी के इस मत से असहमति जताई जा सकती है मगर मूल प्रश्न यह है कि हम बात किस प्रकार के चुनाव सुधारों की कर रहे हैं? भारत के संविधान निर्माता बाबा साहेब अम्बेडकर ने जब पूरा संविधान लिख लिया तो 25 नवम्बर, 1949 को उन्होंने इस बारे में जो भाषण दिया वह बहुत महत्वपूर्ण है जिसमें भारत की चुनाव प्रणाली के संरक्षक चुनाव आयोग को भारतीय लोकतन्त्र का चौथा स्तम्भ बताया गया था। दरअसल भारतीय लोकतन्त्र मूलतः जिन चार खम्भों पर बाबा साहेब खड़ा करके गये वे न्यायपालिका, कार्यपालिका, विधायिका व चुनाव आयोग थे। इनमें से दो कार्यपालिका व विधायिका सरकार का हिस्सा थे और दो चुनाव आयोग व न्यायपालिका सरकारी अंग न होकर स्वतन्त्र व स्वायत्तशासी थे जो सीधे संविधान से शक्ति लेकर अपने दायित्वों का निर्वाह करते चले आ रहे हैं। आजादी के बाद शुरू के तीन दशकों तक चुनाव आयोग की भूमिका बहुत पारदर्शी और शुचितापूर्ण इस प्रकार रही कि भारत की बहुदलीय राजनैतिक व्यवस्था में इसके द्वारा भेदभाव किये जाने की कोई संभावना ही नहीं थी अतः समाजवादी नेता डा. राम मनोहर लोहिया ने लोकतन्त्र में स्वतन्त्र प्रेस (मीडिया) को चौथा खम्भा कहना शुरू कर दिया और यह धीरे–धीरे स्थापित भी होता चला गया। 1969 तक चुनाव आयोग को लेकर कहीं कोई विवाद या खबर बामुश्किल ही अखबारों की सुर्खियां बन पाई। इस साल जब पहली बार कांग्रेस पार्टी का विभाजन हुआ तो लोगों को पता लगा कि कोई एस.पी. सेन वर्मा नाम का व्यक्ति मुख्य चुनाव आयुक्त भी है। चुनाव आयोग ने कांग्रेस पार्टी के विवाद पर अपना फैसला देकर न्यायपूर्ण व्यवहार किया और लोगों की वाहवाही लूटी। मगर 1974 में दिल्ली उच्च न्यायालय ने जब दिल्ली सदर लोकसभा सीट से कांग्रेस के सांसद स्व. अमरनाथ चावला का चुनाव केवल इसलिए अघोषित किया कि उन्होंने अपने चुनाव में चुनाव आयोग द्वारा निधारित धनराशि से अधिक खर्च किया है तो प्रधानमन्त्री इदिरा गांधी ने जनप्रतिनिधित्व अधिनियम –1951 में संशोधन करके यह प्रावधान किया कि किसी भी प्रत्याशी के चुनाव पर यदि उसका कोई मित्र अथवा उसकी पार्टी जो भी खर्च करेगी वह उसके चुनाव खर्च में शामिल नहीं किया जायेगा तो भारत में चुनाव लगातार महंगे और खर्चीले होते गये और चुनाव खर्च सीमा का कोई मतलब ही नहीं रहा। अतः

1974 में ही शुरू हुए जयप्रकाश नारायण के कथित सम्पूर्ण क्रान्ति आन्दोलन का मुख्य एजेंडा यह भी बना कि चुनावों को सस्ता बनाने के लिए सरकार संवैधानिक उपाय करे और जनता को चुने हुए प्रतिनिधियों को वापस बुलाने का अधिकार भी मिले। जय प्रकाश नारायण ने चुनाव सुधारों की सख्त जरूरत बताई और जनता का आह्वान किया कि वह इसकी आवाज पुरजोर तरीके से उठाये। जेपी ने चुनाव सुधारों के लिए बम्बई उच्च न्यायालय ने अकाश प्राप्त मुख्य न्यायाधीश श्री वी.एम. तारकुंडे की अध्यक्षता में एक समिति बनाई जिसने आंशिक रूप से सरकारी खर्च से चुनाव कराये जाने के बारे में सिफारिशें भी दीं। जब तक ये सिफारिशें आयी तब तक जेपी आन्दोलन में शामिल पंचमेल पार्टी जनता पार्टी की सरकार मोरारजी देसाई के नेतृत्व में सत्ता पर काबिज हो गई थी। इस सरकार ने तारकुंडे समिति की रिपोर्ट को रद्दी की टोकरी में डालते हुए पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त श्री एस.एल. शकधर के नेतृत्व में एक चुनाव सुधार आयोग का गठन कर दिया। जब तक इसकी रिपोर्ट आयी तब तक 1980 में केन्द्र में इन्दिरा जी की सरकार पुनः आ गई और शकधर रिपोर्ट का वहीं हश्र हुआ जो तारकुंडे समिति की रिपोर्ट का हुआ था। इसके बाद केन्द्र में कांग्रेस सरकार ने गोस्वामी समिति का गठन चुनाव सुधारों पर किया और इसकी कुछ सिफारिसों को लागू भी किया मगर चुनावों के लगातार महंगे और खर्चीला होने से रोकने के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया। असली सवाल जहां का तहां रहा कि एक नगर पालिका से लेकर विधानसभा और लोकसभा का प्रत्याशी अपने चुनाव पर बेतहाशा धन खर्च कर सकता था। जिसकी वजह से चुनाव लगातार महंगे होते गये क्योंकि इसकी जड़ में अभी तक वह कानून मौजूद है कि प्रत्याशी का निजी खर्च उसके मित्र व पार्टी द्वारा किये गये खर्च के घेरे में नहीं आयेगा। इसलिए असली समस्या तो यही है जिसे हमें हल करना है मगर हम सिर में दर्द है तो इलाज पैरों का कर रहे हैं और एक देश–एक चुनाव की बात कर रहे हैं। कहां तो बात चली थी कि चुनाव सरकारी खर्च से ही होने चाहिए और इसके लिए पृथक से एक कोष स्थापित केन्द्र सरकार को गठित करना चाहिए जिससे गरीब से गरीब राजनैतिक रूप से सजग व्यक्ति भी चुनाव में खड़ा हो सके और जनता का सच्चा प्रतिनिधित्व कर सके मगर हम आज बात ही सरकारी खर्च को कम करने की कर रहे हैं जबकि राजनीति को बुरी तरह धनतन्त्र और धन्ना सेठों ने अपनी कृपा का पात्र बना लिया है। चुनाव सस्ते बनाने का सम्बन्ध एक बारगी ही पूरे देश में चुनाव कराने से कैसे हो सकता है जबकि विधानसभा के चुनाव में ही एक प्रत्याशी करोड़ों रुपए खर्च करता हो और ग्राम पंचायत के चुनाव में भी लाखों रुपए खर्च किये जाते हों। लोकसभा चुनावों में तो खर्च का कोई हिसाब ही नहीं रहता यह तो अब दसियों करोड़ रुपए से भी ऊपर पहुंच रहा है। जाहिर है कि जब इतना खर्च करने वाले प्रत्याशी मैदान में होंगे तो वे विधानसभा या लोकसभा में पहुंच कर धन सुलभ कराने वालों के हितों को ही साधेंगे। अतः चुनावों को सस्ता बनाना मुख्य लक्ष्य होना चाहिए।

विरोध करने की बजाय इससे देश को होने वाले लाभ को देखें

प्रो. (डॉ.) संजय द्विवेदी

अब जबकि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के नेतृत्व में श्एक देश एक चुनावश पर विचार हेतु केंद्र सरकार ने एक समिति बना दी गई है, तब यह मुद्दा बहुत विचारणीय हो गया है। स्वस्थ, टिकाऊ और विकसित लोकतंत्र वही होता है, जिसमें विविधता के लिए भरपूर जगह होती है, लेकिन विरोधाभास नहीं होते। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भविष्योन्मुखी दृष्टि वाले नेतृत्व में विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत धीरे–धीरे इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है। 'एक देश–एक टैक्स' की सफलता ने इस बात को सही साबित किया है। अब तक देश के लगभग एक तिहाई राज्यों में लागू हो चुके 'एक नेशन–एक राशन' कार्यक्रम के ऐसे ही सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। इसी प्रकार, एक देश–एक कानून (यूनिफॉर्म सिविल कोड) लागू किए जाने के विचार को भी जनता के एक विशाल वर्ग का अपार समर्थन मिल रहा है। एक देश–एक चुनाव' लोकसभा और राज्यों की विधानसभाओं का चुनाव एक साथ करवाने का एक नीतिगत उपक्रम है। इसे समझने के लिए हमें चुनाव की प्रक्रिया को समझना होगा। हमारे देश में केंद्र और सभी राज्यों में, केंद्र शासित प्रदेशों को छोड़कर, जनता द्वारा चुनी हुई सरकारें कार्य करती हैं। इनका कार्यकाल पांच वर्ष का होता है। ये कार्यकाल, किसी भी महीने पूरा हो सकता है। जब किसी निर्वाचित सरकार का पांच साल का कार्यकाल पूरा हो जाता है, तो उस राज्य में अथवा केंद्र में एक निर्धारित अवधि के अंदर नए चुनाव कराना आवश्यक होता है, ताकि वहां नई सरकार गठित की जा सके और देश और उस प्रदेश का काम फिर से सुचारू ढंग से चलना सुनिश्चित किया जा सके। चुनावों की प्रक्रिया को निर्बाध व निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न कराने के लिए, काफी बड़े तंत्र व खर्च की आवश्यकता होती है। जितने ज्यादा चुनाव, उतनी ही ज्यादा व्यवस्था। 2023 को ही लें। इस साल राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, कर्नाटक, तेलंगाना, जम्मूद कश्मीर, त्रिपुरा, मेघालय, नागालैंड और मिजोरम समेत देश के दस राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं (इनमें से कुछ राज्यों में इस साल चुनाव हो चुके हैं)। इनमें कितने समय, धन और व्यवस्था की जरूरत पड़ेगी, इसका अंदाजा लगाना कोई मुश्किल काम नहीं है। ऊपर से, इन चुनावों के खत्म होते–होते लोकसभा चुनावों की गहमागहमी शुरू हो जाएगी। अब सोचिए कि अगर इन राज्यों के और लोकसभा के चुनाव एक साथ कराने की व्यवस्था की जा सके तो कितना देश का कितना समय और धन बचेगा। आज अगर हम देश के राजनीतिक परिदृश्य पर नजर डालें, तो पायेंगे कि हर वर्ष देश को कोई न कोई हिस्सा चुनावमय बना रहता है। लेकिन, शुरुआत में ऐसा नहीं था। देश के पहले आम चुनावों से लेकर अगले पंद्रह सालों तक, 1952, 1957, 1962, 1967 में चार बार लोकसभा चुनाव हुए और हर बार राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव भी इनके साथ–साथ ही करवाए गए। लेकिन, जब 1968–69 में अलग–अलग कारणों से कुछ राज्यों की विधानसभाएं उनका कार्यकाल खत्म होने से पहले ही भंग कर दी गईं, तो यह सिलसिला बाधित हो गया। यहां तक कि पहली बार लोकसभा चुनाव भी समय से पहले ही करवा लिए गए। चौथी लोकसभा का कार्यकाल 1972 तक था, लेकिन आम चुनाव इसके पूरा होने से पहले ही 1971 में करा लिए गए। इससे समझा जा सकता है कि अगर राज्यों के विधानसभा चुनाव और आम चुनाव एक साथ आयोजित कराने की बात की जा रही है तो इसमें कुछ भी ऐसा नहीं है, जिस पर आपत्ति की जानी चाहिए। लेकिन, जब भी केंद्र में सत्तासीन एनडीए सरकार, एक बार फिर इस व्यवस्था की बहाली की बात करती है तो विपक्ष इस तरह मुखर हो उठता है कि जैसे उसे किसी भी हाल में यह नहीं होने देना है। भाजपा विरोधी कुछ दल इसे भाजपा का 'सत्ता का केंद्रीकरण करने की योजना' कहकर इसका विरोध जारी रखे हैं, जबकि सच तो यह है कि 'एक देश, एक चुनाव' की अवधारणा काफी पुरानी है। इस विषय पर संविधान समीक्षा आयोग, विधि आयोग, चुनाव आयोग और नीति आयोग जैसे प्रभावशाली संस्थानों की राय भी काफी सकारात्मक है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में राजग सरकार, राष्ट्रहित में इस विचार को और अधिक लटकाए न रखकर एक ठोस व साकार रूप देना चाहती है। विशेषज्ञ लंबे समय से 'एक राष्ट्र एक चुनाव' पर अपनी राय व्यक्त करते रहे हैं। वर्ष 1999 में विधि आयोग ने अपनी 170वीं रिपोर्ट में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनावों को एक साथ कराने का समर्थन किया था। रिपोर्ट का एक पूरा अध्याय इसी मुद्दे पर केंद्रित है। चुनाव सुधारों पर विधि आयोग की इस रिपोर्ट को देश में राजनीतिक प्रणाली के कामकाज पर अब तक के सबसे सटीक दस्तावेजों में से एक माना जाता है। मजबूत केंद्र एवं शक्तिशाली नेतृत्व के प्रबल पक्षधर, तत्कालीन गृहमंत्री और उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने इसे राजनीतिक स्तर पर प्रमुखता से उठाया था। वर्ष 2003 में, अपने प्रधानमंत्री कार्यकाल के दौरान अटल बिहारी वाजपेयी ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन किया था। एक राष्ट्र एक चुनाव' को लेकर भाजपा की इच्छाशक्ति और प्रतिबद्धता, पार्टी के 2014 और 2019 के घोषणापत्रों में भी देखी जा सकती है। दूसरी बार सत्ता संभालने के महज एक ही महीने बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 19 जून 2019 को इस पर चर्चा के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाई थी। इसके लिए आमंत्रित 40 दलों में से 21 दलों के नेता इस विमर्श में भाग लेने के लिए प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में रखी गई इस बैठक में शामिल हुए। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में एक कमेटी गठित करने का निर्णय लिया गया, जिससे इस मुद्दे पर आम सहमति बनाई जा सके और इसके काम करने के तरीकों की व्यवहारिकता और संभावनाओं को लेकर एक रिपोर्ट तैयार की जा सके। इसके पीछे सबसे बड़ा उद्देश्य तो यही है कि राजकोष पर पड़ने वाले चुनावी खर्च के बोझ को कम से कम किया जाए, जो पिछले कुछ दशकों में लगातार बढ़ता ही गया है। इसके अलावा थोड़े–थोड़े अंतराल के बाद होने वाले चुनावों के दौरान आचार संहिता लागू हो जाने से बहुत सारे विकास कार्य और जनहित कार्यक्रम बाधित होते हैं, इससे भी बचा जा सकेगा। अगर हम खर्च की ही बात करें तो पिछले पैटर्न को देखते हुए हम पाएंगे कि पहले आम चुनावों से लेकर पिछले आम चुनावों तक उम्मीदवारों की संख्या करीब पांच गुना बढ़ी है।

कड़ी निगरानी में पीयू में हुई एमएड प्रवेश परीक्षा

1-इंजीनियरिंग और फार्मेसी संस्थान में बनाए गए थे केंद्र

जौनपुर । वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों की एम.एड प्रवेश परीक्षा 2023 मंगलवार को परिसर के इंजीनियरिंग और फार्मेसी संस्थान केंद्र पर आयोजित की गई। यह परीक्षा पूर्वाह्न 11:00 बजे से 1:00 बजे तक हुई। सघन तलाशी के बाद ही परीक्षार्थियों को प्रवेश दिया गया। परीक्षा के लिए दोनों केंद्रों पर कुल 987 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था, इसमें कुल 744 विद्यार्थी उपस्थित हुए। परीक्षा के दौरान परीक्षा नियंत्रक वीएन सिंह और सहायक कुलसचिव बबिता सिंह भी निगरानी कर रहीं थीं।

विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर वंदना सिंह के निर्देश पर परीक्षा कड़ी निगरानी के बीच शुरू हुई। उन्होंने कहा कि परीक्षा पूरी पारदर्शी और सुचिता के साथ हो। डॉ. अमरेंद्र सिंह फार्मेसी संस्थान में केंद्राध्यक्ष हैं। यहां उपकुलसचिव अमृतलाल और डॉ. मनीष कुमार गुप्ता को पर्यवेक्षक के रूप में निगरानी कर रहे थे। इस केंद्र पर 500 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था लेकिन 380 परीक्षार्थी ही सम्मिलित हो सके। इसी प्रकार इंजीनियरिंग संस्थान में डॉ. राजकुमार केंद्राध्यक्ष थे यहां पर्यवेक्षक के रूप में प्रो. देवराज सिंह और सहायक कुलसचिव अजीत सिंह रहे। इस केंद्र पर 487 विद्यार्थियों ने आवेदन किया था मगर 364 परीक्षार्थियों ने ही भाग लिया। दोनों केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरे और वीडियो रिकॉर्डिंग के बीच बुकलेट और ओएमआर शीट खोली गई। केंद्रों पर पर्यवेक्षक के रूप में प्रोफेसर देवराज सिंह, सहायक कुलसचिव अजीत कुमार, डॉ मनीष कुमार गुप्ता उप कुलसचिव अमृत लाल निगरानी कर रहे थे।

विकासखंड मडियाहू में शिक्षक दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को किया गया सम्मानित।

आज दिनांक 5 –9 –2023 को बैंक ऑफ बड़ौदा के सौजन्य से बी,आर,सी मडियाहू में शिक्षक दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले 50 शिक्षकों को खंड शिक्षा अधिकारी मडियाहू श्री अजीत कुमार सिंह द्वारा सम्मानित किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी मडियाहू ने कहा राष्ट्रीय आय आधारित विद्यालय व विद्याज्ञान तथा नवोदय विद्यालय में सफल हुए विद्यालयों के अध्यापकों तथा खेल कूद के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान करने वाले शिक्षको को सम्मानित किया जा रहा है इसी प्रकार कार्य करने वाले अन्य और अध्यापकों को भविष्य में सम्मानित किया जाएगा ।जिला मंत्री रविचंद्र यादव ने आए हुए सभी अध्यापकों व बैंक ऑफ बड़ौदा के सम्मानित सभी कर्मचारी व शाखा प्रबंधक मो 0 लतीफ सिद्दीकी शाखा सराय कालिदास जौनपुर व क्षेत्रीय मैनेजर का आभार व्यक्त किया संचालन आनंद कुमार यादव वरिष्ठ उपाध्यक्ष व अनिल दीप चौधरी ने किया इस अवसर पर सम्मानित किए गए सभी शिक्षकों का नाम इस प्रकार है राम यश, अच्छे लाल यादव , विजय भास्कर यादव,वेद प्रकाश, सिराज अहमद ,मनोज कुमार पाठक , ओबैदुर रहमान ,रमेश चंद्र यादव ,शैलेंद्र सिंह , अमिता मौर्य ,नंदलाल यादव ,शिव कुमार सरोज, लाल बहादुर यादव , श्रीमती अंजू लता ,अरुण कुमार सिंह ,संतोष कुमार सिंह ,विपिन कुमार मिश्रा ,शैलेश कुमार यादव, प्रियंका मिश्रा ,गरिमा सिंह ,राधे मोहन तिवारी ,प्रदीप सिंह, प्रदीप कुमार यादव, कमलेश कुमार , रामचन्द्र मौर्या, श्रीमती सुशील मौर्या, धर्मेंद्र कुमार यादव ,कैलाश नाथ ,निहाल सिंह, ज्ञान प्रकाश मौर्य ,राकेश रोशन, शाहीन फातिमा ,हंसराज यादव, विनोद कुमार यादव ,उदय चंद यादव ,अशोक कुमार यादव ,श्याम नारायण ,विजय शंकर तिवारी ,शैलेंद्र कुमार यादव, सेवालाल पटेल ,आनंद कुमार ।

पर्यटन मंत्री ने दी शिक्षक दिवस पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों खासतौर से गुरूजनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने गुरूजनों की सुख समृद्धि के साथ ही मंगलमय जीवन की कामना की है। शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर दिये गये संदेश में जयवीर सिंह ने कहा है कि 05 सितम्बर, 1888 को देश के दूसरे राष्ट्रपति दार्शनिक, लेखक, शिक्षक एवं ओजस्वी वक्ता, भारत रत्न डॉ एस राधाकृष्णन के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। उनका मानना था कि गुरूजनों को शिक्षा के प्रति समर्पित रहना चाहिए। उनका यह भी कहना था कि शिक्षक का उत्तरदायित्व मात्र शिष्यों को शिक्षित ही नहीं करना है बल्कि उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना है।

अच्छे लाल यादव प्रधानाध्यापक
प्रा0 वि0 रामपुर खास,मडियाहू, जौनपुर को आज 5 सितंबर 2023 शिक्षक दिवस के अवसर पर खंड शिक्षा अधिकारी मडियाहू जौनपुर श्री अजीत कुमार सिंह द्वारा सम्मानित किया गया इस अवसर पर उनके द्वारा सभी शिक्षक बन्धुओं एवं छात्र तथा छात्रओ को अपनी शुभकामनाएं दी गयी और सभी से शिक्षा के क्षेत्र में योगदान देने की अपील की गयी.

अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह मे 26 शिक्षको को किया सम्मानित

गुलाबी समिति का पद का दायित्व सदस्यों को सौंपा

जौनपुर – अतुल्य वेल्फेयर ट्रस्ट द्वारा जौनपुर के एक हाल में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। जिसमें शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े 26 शिक्षकों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में अध्यक्ष उर्वशी सिंह ने कहा कि बच्चों का भविष्य गढ़ने के साथ–साथ उन्हें सामाजिक सरोकार से जोड़ने के लिए पूरी निष्ठा और लगन के साथ जुटे रहने वाले शिक्षकों का सम्मान वास्तव में शिक्षा के प्रति उनके समर्पण का सम्मान है। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर मुख्य अतिथि बीएसए डॉ गोरखनाथ पटेल द्वारा माल्यर्पण व दीप प्रज्वलित कर किया गया, तत्पश्चात ट्रस्ट के संरक्षक टी डी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ समर बहादुर सिंह ने स्वागत उद्बोधन किया ।जिसमें उन्होंने ट्रस्ट द्वारा किए गए कार्यो की पूरी रुपरेखा सबके सामने रखा , उन्होंने कहा कि अध्यापक समाज का शिल्पकार है। बच्चों में देशभक्ति की भावना पैदा करे। तत्पश्चात शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए शिक्षक सम्मान से शिक्षको को सम्मानित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि बीएसए डॉ गोरखनाथ पटेल ने कहा कि हमारी संस्कृति में माता पिता से बड़ा दर्जा गुरु का होता है इसलिए गुरु का सम्मान होता है, कार्यक्रम में गुलाबी समिति का पद दायित्व के अंतर्गत किन्नर बिट्टू को अध्यक्ष, किन्नर डॉली को सचिव और अजीत गिरी को गुलाबी समिति का मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सम्मानित होने वाले शिक्षकों मे डॉ समर बहादुर सिंह, प्रो अरुण कुमार चतुर्वेदी, डॉ विजय कुमार सिंह, प्रो अजय कुमार दुबे, डॉ विजय बहादुर सिंह, श्री लल्लन उपाध्याय, श्रीमती मीनाक्षी सिंह, डॉ सूर्य प्रकाश सिंह, डॉ जंग बहादुर सिंह, श्रीमती ज्योति सिंह, स्मृति सिंह, श्रीमती प्रीति श्रीवास्तव, ज्योति श्रीवास्तव, दशरथ, मयंक नारायण, श्रीमती नीतू सिंह, अश्विन सिंह, श्रीमती नीतू सिंह, आशीष श्रीवास्तव, श्रीमती अणु स्मृति श्रीवास्तव, शोभनाथ पटेल, बजरंग प्रताप सिंह, डॉ सरोज सिंह, डॉ ज्योत्सना सिंह, डॉ अमलेंद्र गुप्ता, रणजीत सिंह के साथ ट्रस्ट के पदाधिकारी नागेंद्र सिंह राधिका सिंह आशीष श्रीवास्तव, ज्योति श्रीवास्तव, मीरा अग्रहरी,वंशिका सिंह कनक सिंह, दीपक श्रीवास्तव पत्रकार, अंकित गुप्ता, चांदनी साहू, निशा कन्नौजिया गायत्री जायसवाल शिवानी चौरसिया, राजेश श्रीवास्तव देवेन्द्र खरे, संजीव चौरसिया विनोद सिंह, इमरान एवं अन्य विशिष्ट और सम्मानित लोग उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संचालन सलमान शेख और सागर सोलंकी ने किया।

शिक्षक समाज में शिल्पकार के रूप में कार्य करते है:- अध्यक्ष, जिला पंचायत

समाज में शिक्षक का दर्जा सर्वोपरि:- जिलाधिकारी

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) आज शिक्षक दिवस के अवसर पर लखनऊ में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह के अवसर पर जनपद स्तर भी शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन विकास भवन स्थित स्वर्ण जयंती सभागार में माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रेमावती पीके वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। लखनऊ में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री ने कुल 94 चयनित शिक्षकों में से 6 माध्यमिक व 6 बेसिक शिक्षकों को सम्मानित किया। अपने संबोधन में माननीय मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा की गुणवत्ता में व्यापक सुधार हुए हैं। कायाकल्प से बेसिक विद्यालयों ने काफी सुधार हुआ है। स्मार्ट क्लासेज की स्थापना हो रही है। प्रोजेक्ट अलंकार में माध्यमिक विद्यालयों में सुधार हुआ है। जनपद में आयोजित समारोह में माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष ने 11 बेसिक व 10 माध्यमिक शिक्षकों को मिलाकर कुल 21 शिक्षकों को सम्मानित किया। माननीय जिला पंचायत अध्यक्ष ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक समाज के शिल्पकार के रूप में कार्य करते हैं। शिक्षकों का सम्मान शिक्षा के प्रति उनके समर्पण का सम्मान है। दिव्यांगता वाले बच्चों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। हमे उन अभिभावकों को प्रेरित करना चाहिए जो अपने बच्चों को स्कूल भेजने में संकोच करते हैं। शिक्षा के स्तर में सभी को सहभागिता करने चाहिए। बच्चों के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने अपने शिक्षक जीवन के अनुभव भी साझा किए। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने अपने संबोधन में सम्मानित शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि समाज मे शिक्षक का दर्जा सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि जनपद में शिक्षा के क्षेत्र में उत्तरोत्तर सुधार हुआ है। जनपद के 20 जूनियर हाईस्कूलों में खगोलीय प्रयोगशालाओं की स्थापना की गयी है। प्रत्येक विकास खण्ड के मुख्य विद्यालयो में खगोलीय प्रयोगशाला की स्थापना के लिए कार्य किया जा रहा है। जिला विद्यालय निरीक्षक बालमुकुन्द ने कहा कि डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जीवन हम सबके लिए अनुकरणीय है। बेसिक शिक्षा अधिकारी विजय प्रताप सिंह ने कहा कि जनपद में विद्यालयों में मिशन कायाकल्प के अंतर्गत विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विभिन्न शिक्षकों ने भी कार्यक्रम में अपने विचार साझा किए। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी अरविंद कुमार सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी विजय प्रताप सिंह, सम्मानित शिक्षक व स्कूली बच्चे तथा अन्य संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

ललही छठ पर महिलाओं ने की पूजा,पुत्र की दीर्घायु के लिए रखा उपवास,उत्तम स्वास्थ्य की कामना

जौनपुर पूर्वांचल में लोक आस्था से जुड़ा पर्व ललही छठ पूरे जनपद में धूमधाम से मनाया गया। मातायो बहनों द्वारा तालाब के किनारे नदी के किनारे या घर में ही ललही छठ माता का अर्घ बनाकर पूजा की जाती है।ऐसी मान्यता है कि यह पूजा सिर्फ वही माताएं बहने कर सकती हैं जिनके पुत्र हो पूजा की खास बात यह है कि इस पूजा में सिर्फ भैंस के ही गोबर दूध दही का प्रयोग किया जाता है। इस व्रत को करने के लिए माताएं बहने पूरे दिन निराजल व्रत रहती हैं इस दिन यह लोग खेतों में नहीं जा सकते हैं खाने के लिए महुआ तिन्नी का चावल दही महुआ की चाय करेमुवा के साग का प्रयोग किया जाता है। नगर के रुहट्टा मोहल्ले में काफी संख्या में महिलाओं ने एकत्रित होकर विधि विधान से पूजा अर्चना किया।इस व्रत के बारे में जानकारी देते हुए व्रती माता शशि कला श्रीवास्तव ने बताया कि यह पूजा पुत्रों की और पतियों की दीर्घायु के लिए की जाती है साथ ही इस पूजन का विधि विधान से पूजा करने पर जिन माता बहनों के बच्चे नहीं होते हैं उन्हें भी जरूर औलाद प्राप्त होती है। कुश परस की पत्ती महुआ की पत्ती फल फूल मिष्ठान कपड़ा इत्यादि चढ़कर ललही छठ माता की पूजा की जाती है। सबसे बड़ी बात की इस पूजा में हिंदुओं की आस्था गौ माता के एक भी सामान का प्रयोग नही किया जाता है। जबकि किसी भी पूजा में गौ माता के सामानों का ही प्रयोग शुद्ध माना जाता है। एक कथा प्रसिद्ध है कि प्राचीन काल में एक राजा थे जिन्हें कोई औलाद नहीं थी उनके घर में पलने वाले किसी भी जानवर या उनके पूरे परिवार में किसी को संतान सुख नहीं प्राप्त था राजा काफी परेशान थे कि एक दिन उनकी रानी द्वारा कहीं ललही छठ माता की पूजा की बात सुनने पर वहां पहुंची और उनका प्रसाद खुद ग्रहण किया और पूरे परिवार सहित अपने पशुओं को भी खिलाया जिसका परिणाम रहा कि कुछ समय बाद सभी को संतान प्राप्त हुई तब से इस व्रत का विधान लगातार चल रहा है जिसे वर्तमान समय में भी हम महिलाओं द्वारा आस्था के साथ किया जाता है और हमारी जो भी मनोकामनाएं होती हैं।

ललही छठ माता जरूर पूरी करती है। इसी प्रकार एक और कथा प्रचलित है कि यह घर में देवरानी और जेठानी दोनों को बच्चे नहीं थे दोनों बहुत ही परेशान थी की तभी एक दिन लड़ाई छठ माता ने उन्हें दर्शन दिया और उन्हें चावल देकर यह कैसे जगह खाने के लिए भेजा जहां ढेर सारे बच्चे खेल रहे हो और यह कहा कि जो जल्दी ही इस चावल को खाकर आएगा उसे जरूर संतान प्राप्त होगी इतना सुनकर दोनों महिलाएं नदी किनारे पहुंची जहां बच्चे खेल रहे थे बच्चों ने इसे खाने के लिए चावल मांगा तो जेठानी ने बच्चों को भगा दिया जबकि देवरानी ने बच्चों को चोरी चुपके खिलाया और एक मुट्ठी चावल खुद खाया वापस लौटकर माता ने दोनों से जानकारी मांगी और देवरानी को पांच बच्चे होने का वरदान दिया जबकि जेठानी को यह कह कर वापस कर दिया कि तुम्हारे अंदर बच्चों को पालन पोषण करने की समझ नहीं है और तुम्हें बच्चों से प्यार नहीं है जबकि देवरानी के अंदर बच्चों को लालन–पालन और उन्हें प्यार करने की समझ है ऐसे में उसे ही बच्चे दिए जाएंगे। मुंगराबादशापुर कस्बे के पुरानी सब्जी मण्डी, गोला मंडी, नईगंज अंजही,कटरा व प्रतापगढ़ रोड आदि स्थानों पर महिलाओं ने वेदी बनाकर ललही छठ मइया की पूजा की।ललई छठ पर्व पर महिलाओं ने पुत्र के दीर्घायु के लिए कामना की। महिलाएं स्वच्छ परिधानों में पूजा की थाली लेकर पूजन स्थल पर पहुंची। जहां ललही छठ की कथा एक दूसरे को सुनाकर पुत्र के दीर्घायु होने तथा कुशलता की कामना की।पूजा के उपरांत ललही छठ मइया की गीतों से पूजा स्थल गूंज उठा।

डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन को कुलपति ने किया नमन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर. वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर में कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने शिक्षक दिवस के अवसर पर डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की मूर्ति पर माल्यार्पण कर नमन किया.उन्होंने कहा कि देश के प्रथम उप राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक आदर्श शिक्षक थे उनके व्यक्तित्व और कृतित्व का अनुसरण करना चाहिए. विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में भी विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक दिवस समारोह मनाया गया. इसके पूर्व कुलपति प्रो वंदना सिंह ने विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षकों को शिक्षक दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलसचिव महेंद्र कुमार, कर्मचारी संघ के अध्यक्ष नंद किशोर सिंह, महामंत्री रमेश यादव, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, रजनीश सिंह ने भी डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की मूर्ति पर माल्यार्पण किया. इस अवसर पर प्रो. मानस पाण्डेय, प्रो. अविनाश पाथर्डीकर, डॉ. आशुतोष सिंह, डॉ. श्याम कन्हैया सिंह समेत अन्य उपस्थित रहे.

सुजानगंज विकास खण्ड की ग्राम पंचायत सर्वेमऊ जहां भ्रष्टाचार के चंगुल में फंस कर तड़फड़ा रही विकास योजनाएं

मुंगराबादशाहपुर, सुजानगंज (जौनपुर)। प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार एक ओर जहां गांवों का सर्वांगीण विकास करने हेतु दृढ़संकल्पित होकर वजट मुहैया कराने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रही है वहीं दूसरी ओर गांवों में संचालित किए जाने वाली विकास योजना को अमलीजामा पहनाने के जिम्मेदार लोगों द्वारा शासन की मंशा पर पानी फेरने में जुट गए हैं। आलम यह है कि जौनपुर जिले के सुजानगंज विकास खण्ड के जिस ग्राम पंचायत सर्वेमऊ का सर्वांगीण विकास कर उसकी उन्नति हेतु एक जनप्रतिनिधि ने गोद लिया था उसी सर्वेमऊ गांव में लगभग 20 लाख रुपए खर्च किए जाने के बाद भी ग्राम पंचायत भवन निर्माण भी पूर्णता हासिल नहीं कर सका। आलम यह रहा कि जिस पंचायत भवन में बैठ कर गांव के सर्वांगीण विकास की रूपरेखा तैयार करनी थी वही अधूरा पड़ा है। बताया जाता है कि विकास योजनाओं की हकीकत की जांच हेतु पत्रकारों द्वारा चलाई गई मुहिम में सुजानगंज विकास खण्ड के गांवों में विकास कार्यों को धरातल की बजाय फाइलों में दिखा कर डकारे गए लाखों के वजट की पोल एक एक कर खुलने लगी है।आलम यह है कि सुजानगंज विकास खण्ड में फैले भ्रष्टाचार के चंगुल में फंसकर विकास योजनाएं तड़फड़ा रही है। सुजानगंज विकास खण्ड के जिन गांवों में कराए गए विकास कार्यो का पत्रकारों ने जायजा लिया ,उन गांवों में पत्रकारों के पहुंचने पर सबसे पहले उनके सामने भ्रष्टाचार ही अपना सीना तान कर खड़ा हो गया। सुजानगंज विकास खण्ड के ग्राम पंचायत पियारेपुर ग्राम पंचायत में कराए गए विकास कार्यों में की गई व्यापक पैमाने पर धांधली के उजागर होने पर खण्ड विकास अधिकारी द्वारा ग्राम प्रधान सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारियों कर्मचारियों के विरुद्ध सुजानगंज थाने में मुकदमा तक पंजीकृत कराया गया तो इंटहा ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत विकास अधिकारी (ग्राम सचिव) द्वारा सांठगांठ कर लाखों रुपए के सरकारी धन का बंदरबांट करने का मामला उजागर होने लगा।

दो दिनों मे नगर क्षेत्र में चोरी की तीन घटनाओं से लगा कोतवाली नगर पुलिस की कार्यशैली पर प्रश्न चिह्न

आये दिन चोरियो की घटनाओं से सहमे नगरवासी

अयोध्या। कोतवाली नगर क्षेत्र के विभिन्न अलग–अलग पुलिस चौकी क्षेत्रों में दो दिन के भीतर तीन तीन चोरियों की वारदात ने कोतवाली नगर पुलिस की कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लगा दिया है।इन भी चोरी की घटनाओ का खुलासा करने में कोतवाली नगर पुलिस नाकाम दिखाई दे रही है।सीसीटीवी कैमरे से भी पुलिस को कोई मदद नहीं मिलती हुई दिखाई दे रही है।क्योंकि घटना स्थल पर लगे कैमरे या तो बंद मिले या फिर खराब पाये गये।बताते चलें कि मंगलवार की बीती रात चोरो ने कोतवाली नगर क्षेत्र के देवकाली पुलिस चौकी क्षेत्र में रीडगंज ओवरब्रिज के नीचे हनुमान मंदिर के सामने स्थित पुष्पांजलि मंडप में तीन तीन तालो व आलमारी को तोड़ कर उसमें रखे लाखों रुपए के आभूषण व नगद रुपए लेकर चलते बने।जिसकी भनक वहां पर आगे सोये हुए केयर टेकर व आसपास के लोगों को नहीं लगी।कोतवाली नगर में पुलिस को दिए गए तहरीर के माध्यम से पीड़ित राम कृष्ण सक्सेना ने बताया कि 31 अगस्त को वे अपनी पत्नी के साथ अपने घर से पहले दिल्ली फिर दूसरे दिन अपनी बेटी के बेटी के मांगलिक कार्यक्रम में जोधपुर गये थे।मंगलवार की सुबह जब वे अपने रीडगंज स्थित घर पर आए तो देखा कि सामने गेट का ताला टूटा हुआ था।वही दरवाजे में लगे कुंडें को चोरों ने निकालकर दीवार पर रख दिया था।उन्होंने देखा कि सभी कमरों का ताला टूटा हुआ था और सारा सामान अस्त–व्यस्त दिखा।जिसकी सूचना उन्होंने पुलिस कंट्रोल रूम को दी।घटना की सूचना मिलने पर प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पाण्डेय ने चौकी प्रभारी देवकाली सुनील कुमार ने फोरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुट गई। पुलिस को दिए गए तहरीर के माध्यम से पीड़ित रामकृष्ण सक्सेना ने बताया कि सभी कमरों और अलमारी– ड्रावर के ताले टूटे तथा सामान इधर–उधर बिखरा हुआ था।उन्होंने बताया कि कितने का रुपये का आभूषण और नगदी गया है इसका आकलन अभी नहीं लग सकता है।वही मंगलवार कोतवाली नगर क्षेत्र के सिविल लाइन क्षेत्र में शराब की दुकान से शराब और बीयर की दुकान पर चोरी का मामला आया। जिसमें हजारों रुपए का कैश चोरी, एलइडी टीवी जिओ फाइबर बॉक्स को भी चोर उठा ले गए। इससे पहले सोमवार की रात लक्ष्मी स्वीट हाउस की दुकान से भी चोरी की वारदात हो चुकी है।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पाण्डेय ने बताया कि देवकाली चौकी क्षेत्र में हुई चोरी सहित अन्य चौकी क्षेत्र में गठित चोरी की घटनाओ को गंभीरता से लिया जा रहा है।जिसमें फोरेंसिक टीम की मदद ली जा रही है।

अधिकतर सीसीटीवी कैमरे या तो खराब है या फिर रहता है बंद

अगर देखा जाए तो कोतवाली नगर क्षेत्र में अधिकतर जगह पर लगे सीसीटीवी कैमरे या तो खराब मिलते हैं। इसके अलावा जिन प्रतिष्ठानों,मकानों में जो कैमरे लगाए गए हैं उसे संबंधित स्वामी द्वारा रात में बंद कर दिया जाता है।जिसके चलते वहां पर होने वाली वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद नहीं हो सकता है। इसका खुलासा मंगलवार को देवकाली चौकी क्षेत्र में रीडगंज ओवरब्रिज के नीचे स्थित पुष्पांजलि मंडप में हुई चोरी से हुई। पुलिस ने जब वहां पर लगे आधा दर्जन से अधिक सीसीटीवी कैमरे को खंगाला तो वहां पर अधिकतर सीसीटीवी कैमरे खराब मिले जो मिले वे बंद मिले।

शिक्षक समाज व राष्ट्र के विकास में सहयोग दें : अम्बरीष

हरदोई।नेहरू म्यु. कन्या इण्टर कालेज, शाहाबाद में विषय विशेषज्ञ अम्बरीष कुमार सक्सेना ने कहा कि हर साल 05 सितंबर को भारत में शिक्षक दिवस मनाया जाता है, शिक्षक की गरिमा बनाए रखते हुए भविष्य में कुशल व सफल शिक्षक बनें तथा समाज व राष्ट्र के विकास में सहयोग दें।यह दिवस अकादमिक, प्रोफेसर, दार्शनिक और भारत के पूर्व उपराष्ट्रपति और राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती का भी स्मरण कराता है। इस दिन को मनाने के पीछे का उद्देश्य उन शिक्षकों का सम्मान करना है जो शिष्यों या छात्रों के मन से अंधकार को खत्म करते हैं और उन्हें ज्ञान से सशक्त बनाते हैं। उन्होंने बताया कि ज्ञान किसी के जीवन से अज्ञानता के अंधकार को दूर करने वाली रोशनी है। यह ज्ञान शिक्षकों से छात्रों तक पहुँचाया जाता है। शिक्षक हमें कई तरह से ज्ञान देते हैं और हमारे जीवन में सही रास्ता चुनने में मार्गदर्शन प्रदान करते हैं। डॉ एस राधाकृष्णन का मानना घ्था कि शिक्षकों को उनके बहुमूल्य प्रयासों के लिए सम्मान और सम्मान दिया जाना चाहिए क्योंकि वे हमारे समाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि यदि हम सचमुच उनका जन्मदिन मनाना चाहते हैं तो इसे शिक्षकों के सम्मान दिवस के रूप में मनायें। इस घटना के बाद हर साल उनका जन्मदिन 05 सितम्बर माह को शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। अन्त में श्री सक्सेना ने आग्रह किया कि शिक्षक की गरिमा बनाए रखते हुए भविष्य में कुशल व सफल शिक्षक बनें तथा समाज व राष्ट्र के विकास में सहयोग दें। प्रधानाचार्या नूरुल हुमा,शिक्षिका सरिता रानी, वैशाली यादव,वर्तिका शुक्ला, ऊषा देवी, रुचि पांडेय, शशी शुक्ला, भैरवी अग्निहोत्री, नायाब जहां, आयशा परवीन आदि ने डॉक्टर एस राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पारपण कर श्रृद्धा सुमन अर्पित किए।

यूनिसेफ द्वारा टीकाकरण हेतु प्रतिरोधी परिवार के लोगों को किया गया जागरूक

अयोध्या। ब्लॉक रुदौली ग्राम नरौली में यूनिसेफ ने सामुदायिक बैठक सम्पन्न हुई।डीएमसी यूनिसेफ हवलदार सिंह यादव द्वारा बताया गया कि आगामी 11 से 16 सितम्बर 2023 के बीच सघन मिशन इंद्रधनुष का द्वितीय चरण अभियान चलाया जायेगा। सघन मिशन इंद्रधनुष अभियान के दौरान टीकाकरण से इनकार व छूटे बच्चों को 12 जानलेवा बीमारी से बचाव के लिए टीकाकरण किया जायेगा।जिसमें खासकर पीलिया, टीबी, पोलियो, गलाघोटू, काली खांसी,डायरिया,चेचक,दिमागी बुखार, टेटनस,निमोनिया आदि से संबंधित रोग आते हैं।

बैठक में एएनएम ने बताया गया कि बच्चों का टीकाकरण जारी रखे।इस मौके पर बीएमसी यूनिसेफ रोहित कुमार मिश्र,एएनएम उषा चौधरी एवं आशा संगिनी रीता यादव,आशा राम सवारी देवी,आशा उर्मिला,शिवपता देवी,आगनवाड़ी एवं कोटेदार के साथ टीकाकरण के प्रति उदासीन परिवार व अन्य लाभार्थी महिलाए उपस्थित रही।

देवकाली चौकी क्षेत्र में फांसी से लटकती मिली महिला

बिस्कुट फैक्ट्री में काम करती थी मृतका महिला

अयोध्या।(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) कोतवाली नगर क्षेत्र के देवकाली चौकी स्थित ककरवा मुहल्ले में एक महिला का शव किराए के कमरे में संदिग्ध हाल में फंदे से लटका मिला।मकान मालकिन के मुताबिक मृतका महिला के पति और बेटी की लगभग एक दशक पूर्व संपत्ति विवाद में हत्या कर दी गई थी।बताते चलें कि 45 वर्षीय विधवा गीता मिश्रा पत्नी स्वर्गीय ओमप्रकाश मिश्रा नगर कोतवाली क्षेत्र के देवकाली इलाके में किराए का कमरा लेकर रहती थी।जो इसी क्षेत्र में स्थित पारले बिस्कुट फैक्ट्री में काम करती थी। मंगलवार की सुबह महिला का शव किराए के कमरे में छत के पंखे के कुंडे से दुपट्टे के सहारे लटका मिला। जानकारी के बाद मकान मालिक की ओर से मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस टीम व फोरेंसिक टीम ने मामले की छानबीन में जुट गई।

वही मकान मालकिन मिथिलेश पाठक पत्नी स्वर्गीय चंद्र प्रकाश पाठक ने बताया कि मृतका उनके यहां 4 साल से किराए पर रह रही थी।उसके पति और बेटी की 10–11 वर्ष पूर्व हत्या हो चुकी है।मृतका के एक बेटा विनय और पुत्र बधु है,लेकिन बेटा और बहू व मृतका में आये दिन अक्सर झगड़ा होता रहता था। आसपास की महिलाओं का कहना है कि गीता पारिवारिक हालात के चलते मानसिक अवसाद में रहती थी।लेकिन काफी मिलनसार और व्यावहारिक थी।लोगो को महिला की ओर से आत्महत्या की बात पर भरोसा ही नहीं हो रहा है साथ ही मौके के हालात भी संदिग्ध हैं।फिलहाल मौत के कारणों की जानकारी के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए पुलिस ने भेज दिया।

शिक्षक समाज की बहुमूल्य धरोहर

एसकेडी एकेडमी में शिक्षक दिवस पर परमपूजनीय गुरु एवं संस्थापक एसकेडी सिंह को उनके शिक्षा के क्षेत्र में योगदान के लिए सम्मानित किया गया

शैलेन्द्र शर्मा, सिविल इंजीनियर 1990 बैच ने आकर एस के डी सिंह को गुरु जी का सम्मान शिक्षक दिवस पर दिया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। शिक्षक समाज की बहुमूल्य धरोहर हैं जो सम्पूर्ण जगत में शिक्षा प्रदान करके शिक्षित समाज की संरचना में योगदान करते चले आ रहे हैं। उसी परिप्रेक्ष्य में आज शिक्षक दिवस पर एस.के.डी. एकेडमी एवं सम्पूर्ण एसकेडी ग्रुप में शिक्षा का दीपक रोशन करने वाले सभी टीचर्स को सम्मानित किया गया।

सर्वप्रथम सम्पूर्ण संस्था के सबसे पहले व परमपूजनीय गुरु श्री एसकेडी सिंह (चेयरमैन) एवं मनीष सिंह निदेशक को उनके शिक्षा जगत में कई दशकों से अप्रतिम योगदान के लिये सभी ने मिलकर सम्मानित किया। एस.के.डी एकेडमी की सभी शाखाओं के प्रबंधक, प्रधानाचार्यों, शिक्षकों व सभी स्टॉफ ने शिक्षक दिवस अत्यन्त धूमधाम व उल्लास के साथ मनाया। एक दिवस पूर्व विद्यालय के बच्चों ने इस अवसर पर सॉस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये एवं शिक्षिकाओं ने कई कार्यक्रम प्रस्तुत किये। विद्यालय के प्रबन्धक एस. के. डी सिंह ने सर्वपल्ली श्री राधाकृष्णन जी को अपना श्रद्धेय मानते हुये उनके बताये गये आदर्शों पर चलने की प्रेरणा दी। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त शिक्षकों एवं स्टॉफ को शिक्षा जगत में उनकी उत्कृष्ट सेवाओं व अथक प्रयास के लिये प्रमाण–पत्र, मेमोंटो व उपहार देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय के प्रबधंक एस.के.डी सिंह, निदेशक मनीष सिंह ने उपस्थित सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई दी एवं बच्चों को उच्च शिक्षा देने व सही मार्ग दर्शन देने के लिये प्रेरित करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि गुरू और शिष्य परम्परा जो हमारी भारतीय संस्कृति की प्रतीक रही है उसको पुर्नजीवित करने की आवश्यकता है। जिससे हमारी भारतीय संस्कृति के साथ अच्छे समाज का निर्माण हो सके। सभी शिक्षकों को सर्वपल्ली श्री राधाकृष्णन को आदर्श शिक्षक के रूप में मानते हुये उनका अनुसरण करना चाहिए। कार्यक्रम का समापन भोजनोपरान्त सम्पन्न हुआ।

तस्करी में पकड़ा गया एक किलो आस्ट्रेलियन बिस्कुट

सुल्तानपुर– जिले में पकड़ा गया 1 किलो ऑस्ट्रेलिया सोने का बिस्किट। नगर कोतवाल राम आशीष उपाध्याय की सक्रियता से बिस्किट पर मिला ऑस्ट्रेलिया सरकार का ट्रेडमार्क। नेपाल के रास्ते भारत में की जा रही सोने की तस्करी का खुलासा। पुलिस ने सोने के अवैध तीन तस्करों को ऑस्ट्रेलिया मार्का की सोने की बिस्कुट के साथ किया गिरफ्तार। कस्टम विभाग से संबंधित डायरेक्टर आफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस लखनऊ जोनल यूनिट ने लिए अभियुक्तों की सुपुर्दगी। एसपी सोमेन वर्मा,लखनऊ डीआरआई की तरफ से दी गई सूचना पर नगर कोतवाली पुलिस ने की कार्रवाई। डीआरआई ही करेगी अग्रिम विधिक कार्रवाई।

उत्साह के साथ मनाया गया शिक्षक दिवस

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्री अयोध्या सिंह मेमोरियल इण्टर कॉलेज (सैस्मिक) चिनहट के विद्यालयीय परिसर में भारत के द्वितीय राष्ट्रपति एवं महान शिक्षाविद् स्व. सर्वपल्ली राधाकृष्णन का जन्मदिवस शिक्षक दिवस के रूप में बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्री अयोध्या सिंह मेमोरियल इण्टर कॉलेज के सभी शिक्षकों को फूल माला पहना कर सभी शिक्षकों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने शिक्षकों के सम्मान में कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये। विद्यालय की प्रबंधक श्रीमती शैल सिंह ने केक काटकर सभी बच्चों को केक व समोसे वितरित करवाए। बच्चों की तरफ से भी सभी शिक्षकों को पेन व ग्रीटिंग कार्ड वितरित किए गए। बच्चों ने भी शिक्षकों के सम्मान में केक व अल्पाहार अपने शिक्षकों को वितरित किए। प्रबंधक महोदया ने इस अवसर पर बच्चों को शिक्षक दिवस का महत्व समझाया।

प्रबंधक महोदया श्रीमती शैल सिंह एवं श्रीमती गरिमा सिंह(प्रशासनिक अधिकारी) ने कार्यक्रम का शुभारम्भ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं माल्यार्पण के साथ किया। शिक्षकों को बधाई देते हुए उन्होंने आज के संदर्भ में शिक्षकों की भूमिका पर प्रकाश डाला। सैस्मिक श्रीमती पूजा सिंह आज के कार्यक्रम में वर्चुअली शामिल हुईं। उन्होंने भी सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की बधाई दी। प्रबंधक महोदया श्रीमती शैल सिंह ने सभी शिक्षकों को फूल माला पहना कर व उपहार देकर सम्मानित किया। कॉलेज की प्रधानाचार्या श्रीमती अनीता मिश्रा ने सभी शिक्षकों को बधाई देते हुए समाज में शिक्षकों के महत्व पर प्रकाश डाला। जीएसएम (प्राइवेट) आई. टी. आई रायपुर राजा इटौंजा लखनऊ में भी शिक्षक दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। देव ग्रुप के डायरेक्टर श्री लाल महेन्द्र प्रताप सिंह जी ने सभी शिक्षको को शिक्षक दिवस की बधाई देते हुए सभी शिक्षकों को फूल माला पहना कर व उपहार देकर सम्मानित किया। जीएसएम के प्रधानाचार्य श्री आशीष सिंह ने आज की शिक्षा व्यवस्था की तमाम मुशिकलों से कैसे निपटा जाए इस बात पर विशेष रूप से शिक्षकों को जागरूक किया।

डीपीएस एकेडमी की प्रबन्धक श्रीमती शैल सिंह ने यहां भी सभी शिक्षकों को फूल माला पहना कर व उपहार देकर सम्मानित किया। सभी शिक्षकों को अपने संबोधन में डॉ. राधाकृष्णन के बताये हुए रास्ते पर चलने के लिए सबको प्रेरित किया। साथ ही सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं भी दी।

डीपीएस एकेडमी इटौंजा लखनऊ की प्रधानाचार्या श्रीमती मीता चक्रवर्ती ने शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं देते हुए शिक्षकों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे एक शिक्षक एक अच्छे राष्ट्र का निर्माण कर सकता है।

हापुड़ में वकीलों पर लाठीचार्ज को लेकर प्रदर्शन

लखनऊ। लखनऊ में वकीलों ने आज हापुड़ की घटना के विरोध में प्रदर्शन किया। वकील सड़कों पर निकले और मामले में कार्रवाई की मांग की। वकील स्वास्थ्य भवन के पास एक जुट हुए। इसके बाद सीएम आवास को घेरने का ऐलान किया। साथ ही सीएम योगी से मिलने की मांग की। वकीलों को रोकने के लिए सिविल कोर्ट चौराहे पर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किए गए। पीएसी सहित कई थानों की फोर्स लगा दी गई। इसके बाद वकील बैरिकेडिंग तोड़कर मुख्यमंत्री आवास की तरफ बढ़ने का प्रयास कर लगे। तभी वकीलों और पुलिस में झड़प हुई। वकीलों ने मांग की है कि हापुड़ की घटना में जल्द से जल्द दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई हो। जल्द से जल्द एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू किया जाए। इसके साथ ही जांच कमेटी टीम के गठन को लेकर भी वकीलों ने सवाल उठाए। वकील संगठन ने मांग की हाईकोर्ट के पूर्व जजों को भी कमेटी में शामिल किया जाए। वहीं, पुलिस ने स्वास्थ्य भवन चौराहे के दोनों तरफ बैरिकेंडिंग कर वकीलों को रोक लिया। पुलिस और वकीलों की बातचीत में ये कहा गया है कि जिन वकीलों के खिलाफ एफआईआर हुई थी। उसमें उच्च अधिकारियों द्वारा जांच की जाएगी। इसके बाद वकीलों ने हड़ताल को खत्म किया। फिलहाल सभी वकील काम नहीं करेंगे। अगले 48 घंटों तक हड़ताल पर रहेगें। चार सितंबर को तहसील, जिला स्तर पर बार एसोसिएशन की ओर से धरना–प्रदर्शन होगा। डीएम, एसडीएम को ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की जाएगी। पांच सितंबर को सभी कचहरी परिसर में पुतला दहन कार्यक्रम होगा। बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश के चेयरमैन शिवकिशोर गौड़ ने विज्ञप्ति जारी कर इस फैसले की जानकारी दी। 6 सितंबर को वर्चुअल बैठक के बाद आगे की रणनीति की घोषणा की जाएगी। बार काउंसिल चेयरमैन ने सभी वकीलों से अनुरोध किया है कि आंदोलन शांतिपूर्ण होगा।

ट्रेन में महिला हेड कांस्टेबल पर जानलेवा हमला, घायल को देखने केजीएमयू पहुंचे डीजीपी

लखनऊ। सरयू एक्सप्रेस ट्रेन में एक महिला कांस्टेबल खून से लथपथ मिली थी। इस मामले में अब उत्तर प्रदेश के क्ळच् विजय कुमार घायल महिला कांस्टेबल से मिलने के लिए केजीएमयू ट्रामा सेंटर पहुंचे। जहां उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। जैसे ही महिला कास्टेंबल बोलने की स्थित में आएगी तो उससे बातचीत कर आगे की कार्रवाई की जाएगी। डीजीपी विजय कुमार ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि सुमित्रा पटेल जब 29 अगस्त की रात को अपनी ड्यूटी पूरी करके घर जा रही थी तो बीच ट्रेन में उसके साथ मारपीट हुई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने महिला कांस्टेबल को अस्पताल में भर्ती कराया था। इसके बाद महिला कांस्टेबल की गंभीर हालत को देखते हुए उसे केजीएमयू ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। जहां अब उसकी मैडीकल स्थित अच्छी है और लगातार इम्परूपमैंट हो रही है। उन्होंने कहा कि जैसे ही महिला कांस्टेबल बोलने की स्थित में आएगी तो उससे बातचीत की जाएगी। इसके अतिरिक्त घटनास्थल से जो सबूत मिले है, उनकी जांच कराई जा रही है। फिलहाल महिला कांस्टेबल के साथ किसी भी प्रकार के सेक्सुअल असाल्ट की पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि माननीय उच्च न्यायालय द्वारा जो आदेश प्राप्त हुए है उनकी पुलिस और रेलवे द्वारा पालना की जाएगी। बता दें कि बीती 30 अगस्त की सुबह सरयू एक्सप्रेस ट्रेन में एक महिला कांस्टेबल खून से लथपथ मिली थी। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची अयोध्या ळत्च् ने महिला कांस्टेबल को अस्पताल में भर्ती कराया।

पहले नेताओं-अफसरों के रिश्तेदारों को मिलती थी नौकरी-योगी

लखनऊ। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से सरकारी नौकरियों में भर्ती होती है। पहले नेताओं और अफसरों के रिश्तेदारों को नौकरी मिलती थी। अब किसी से भी जाति व मजहब के आधार पर भेदभाव नहीं होता है। भर्ती योग्यता के आधार पर होती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के कनिष्ठ सहायकों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए कहा कि अब प्रदेश में नौकरी और रोजगार में कहीं भी भ्रष्टाचार नहीं है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।